यमुना के तट पर | By Nand Kishore Sharma |

यमुना के तट पर श्याम की
बजने लगी देखो बांसुरी
चालो चालो रे सखियों चालो री

शीतल मंद चले पुरवाई
चंदा ने किरणें फैलायी
आज कैसी रात है
रात या प्रभात है
जादू सभी पे करे कारोड़ी

यमुना के तट पर श्याम की
बजने लगी देखो बांसुरी
चालो चालो रे सखियों चालो री

आज सजा कैसा नंदलाला
कितना सुंदर कितना आला
गोपियाँ लजाने लगी
रूप फिर सजाने लगी
गोरा भयो देखो कारोड़ी

यमुना के तट पर श्याम की
बजने लगी देखो बांसुरी
चालो चालो रे सखियों चालो री

आज सभी ने सुध बिसराई
लगी नाचने जो भी आई
सांवरे का साथ है
प्रेम की बरसात है
कण कण भयो मतवारोड़ी

यमुना के तट पर श्याम की
बजने लगी देखो बांसुरी
चालो चालो रे सखियों चालो री

नंदू हाथ जोड़ समझावे
करो जतन प्रभु हम भी आवे
श्याम जहाँ रास हो
हम भी तेरे पास हो
गोपी बनूँ चाहे गवारोड़ी

यमुना के तट पर श्याम की
बजने लगी देखो बांसुरी
चालो चालो रे सखियों चालो री

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a4%9f-%e0%a4%aa%e0%a4%b0-by-nand-kishore-sharma/